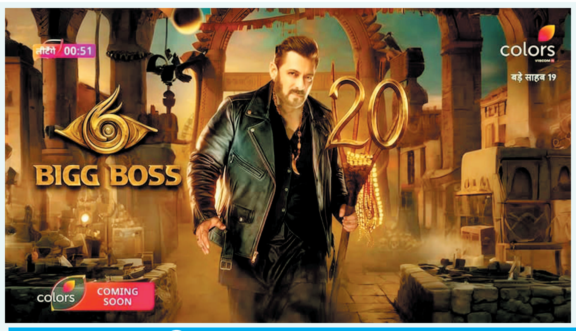

रियलिटी बिग बॉस 20' का धमाकेदार टीज़र रिलीज

छोटे पर्दे के सबसे लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस हिंदी सीजन 20' का नया सफर शुरू होने जा रहा है और इस बार मेकर्स ने शो को पहले से ज्यादा रहस्यमयी और रोमांचक बनाने की तैयारी की है। जियोहॉटस्टार और कलर्स ने मंगलवार को शो का बहुप्रतीक्षित टीजर जारी कर दिया, जिसके सामने आते ही दर्शकों के बीच नए सीजन को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है. शो का ग्रैंड प्रीमियर 6 सितंबर से जियोहॉटस्टार और कलर्स पर होगा. टीजर में शो के होस्ट सलमान खान एक बार फिर अपने खास अंदाज में नजर आ रहे हैं. हालांकि इस बार उनकी एंट्री में भी एक रहस्य छिपा हुआ दिखाई देता है. सलमान शानदार घोड़े के साथ एंट्री करते हैं और इसके बाद उनका संवाद 'जो करण अर्जुन में हुआ था, वो होगा अब बिग बॉस में... तथास्तु!' दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देता है. उनके इस डायलॉग ने शो में आने वाले संभावित ट्विस्ट को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं.

टीजर में एक सूक्ष्म विजुअल हिंट भी दिखाई देता है. मेकर्स ने इस हिंट को जानबूझकर इस तरह पेश किया है कि दर्शकों को उसे समझने के लिए टीजर को ध्यान से देखने की जरूरत पड़े. यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस इस छोटे से संकेत का मतलब निकालने में जुट गए हैं. कोई इसे शो की नई थीम से जोड़ रहा है तो कोई इसमें कंटेस्टेंट्स और गेम के नए फॉर्मेट से जुड़ा बड़ा ट्विस्ट देख रहा है. नए सीजन को लेकर सलमान खान ने भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है. उन्होंने कहा कि बिग बॉस का हर सीजन अपने साथ नया गेम, नए समीकरण और अप्रत्याशित मोड़ लेकर आता है, लेकिन इस बार कहानी के केंद्र में एक ऐसा रहस्य है जो इसे अब तक के सीजनों से अलग बनाएगा. सलमान के मुताबिक, पहला हिंट सामने आ चुका है और दर्शकों को उसे ध्यान से देखने की जरूरत है.

संदीपा ने फिटनेस पर किया फोकस
अब चुम्बक में आएंगी नजर

अभिनेत्री संदीपा धर अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग रहती हैं और अक्सर सोशल मीडिया के जरिए प्रशंसकों के साथ अपने वर्कआउट रूटीन की झलक साझा करती रहती हैं. इस बार उन्होंने लेग-डे वर्कआउट से पहले किए जाने वाले अपने वॉर्म-अप रूटीन का वीडियो साझा किया है.

वीडियो में संदीपा एक्सरसाइज शुरू करने से पहले शरीर को तैयार करने वाली अलग-अलग वॉर्म-अप तकनीकों का अभ्यास करती दिखाई दे रही हैं. उनका यह अंदाज जहां फिटनेस को लेकर उनकी गंभीरता दिखाता है, वहीं प्रशंसकों के लिए भी यह सीख देता है कि किसी भी कठिन वर्कआउट से पहले शरीर को तैयार करना बेहद जरूरी है. लेग-डे वर्कआउट शरीर के लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है. इस दौरान पैरों की मांसपेशियों पर अधिक दबाव पड़ता है और एक्सरसाइज के लिए ताकत के साथ-साथ लचीलापन तथा सहनशक्ति की भी जरूरत होती है. ऐसे में सीधे कठिन एक्सरसाइज शुरू करने के बजाय कुछ समय वॉर्म-अप के लिए देना जरूरी है. उनका मानना है कि वॉर्म-अप शरीर की मांसपेशियों को सक्रिय करने के साथ उन्हें आने वाले वर्कआउट के लिए तैयार करता है. इसके अलावा यह शरीर की गतिशीलता बेहतर करने और चोट के जोखिम को कम करने में भी मदद कर सकता है.

अभिनेत्री का फिटनेस रूटीन उनकी अनुशासित जीवनशैली का हिस्सा है. संदीपा लगातार अपने वर्कआउट और फिटनेस से जुड़ी गतिविधियों को प्राथमिकता देती हैं. सोशल मीडिया पर उनके फिटनेस वीडियो को प्रशंसकों की ओर से भी काफी पसंद किया जाता है.

उनका यह नया वीडियो भी उन लोगों के लिए खासा दिलचस्प है, जो जिम में लेग-डे को अपने वर्कआउट का हिस्सा बनाते हैं. संदीपा धर इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर भी सुर्खियों में हैं. वह जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल कॉमेडी सीरीज 'चुंबक' में नजर आएंगी. इस सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास और हेली शाह जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे. मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज की कहानी में कॉमेडी के साथ शहर की जिंदगी के अलग-अलग रंग देखने को मिलेंगे.

'राह रिकॉर्ड्स' ने जारी किया पहला गीत 'जादूगरी'

यश राज फिल्म्स के नए रिकॉर्ड लेबल 'राह रिकॉर्ड्स' ने गायक-गीतकार अमन के पहले मौलिक गीत 'जादूगरी' के साथ अपनी संगीत यात्रा की शुरुआत की है.राह रिकॉर्ड्स के लॉन्च की घोषणा के एक दिन बाद जारी यह गीत सभी प्रमुख ऑडियो स्ट्रीमिंग मंचों पर उपलब्ध करा दिया गया है. अमन द्वारा लिखे और गाए गए 'जादूगरी' में प्रेम, बिछड़ने और रिश्तों में अनकहे रह जाने वाले जज़्बातों को भावनात्मक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है. गीत के संगीत वीडियो में अमन के साथ शिवांगी नेगी नजर आ रही हैं. वीडियो में दोनों के रिश्ते की मधुर यादों और समय के साथ बढ़ती भावनात्मक दूरी को दर्शाया गया है. 'जादूगरी' शीर्षक उस एहसास का प्रतीक है, जब किसी अपने के प्यार की असली अहमियत उसके दूर हो जाने के बाद समझ आती है.राह रिकॉर्ड्स ने बताया कि अमन के साथ पिछले एक वर्ष से प्रतिभा-विकास कार्यक्रम के तहत रचनात्मक सहयोग किया गया.

मलाइका ने हिंदू रीति-रिवाजों से किया नई थार का स्वागत

बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा अपने ग्लैमरस अंदाज और फिटनेस के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस बार उनकी चर्चा एक अलग वजह से हो रही है. मलाइका ने अपने कार कलेक्शन में एक नई महिंद्रा थार रॉक्स स्टार एडिशन शामिल की है. खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी नई एसयूवी का स्वागत बेहद पारंपरिक अंदाज में किया. सावन के पहले सोमवार के शुभ अवसर पर मलाइका नई कार की पूजा-अर्चना करती नजर आईं. उनकी इस पारंपरिक शुरुआत का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद फैंस ने अभिनेत्री की जमकर तारीफ की.

बॉलीवुड से लेकर बिजनेस तक कमाल करती हैं माधुरी

बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री माधुरी दीक्षित केवल अपनी शानदार अदाकारी और डांस के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी प्रॉपर्टी इन्वेस्टमेंट को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं. अब उनकी एक और रियल एस्टेट डील सामने आई है, जिसमें उन्होंने मुंबई के अंधेरी वेस्ट के ओशिवारा इलाके में स्थित अपना ऑफिस 4.85 करोड़ रुपये में बेच दिया है. यह सौदा 23 जून 2026 को आधिकारिक तौर पर रजिस्टर्ड हुआ. माधुरी दीक्षित का यह ऑफिस ओशिवारा स्थित 'मौर्या लैंडमार्क-I प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड' की चौथी मंजिल पर स्थित था. करीब 1,594.24 वर्ग फुट कार्पेट एरिया में फैले इस ऑफिस को फ्रेम्स प्रोडक्शन कंपनी ने खरीदा है. संपत्ति के साथ तीन कार पार्किंग स्पेस भी इस सौदे का हिस्सा हैं. इस लेन-देन पर करीब 29.10 लाख रुपये की स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान किया गया. इस प्रॉपर्टी डील की सबसे खास बात इसकी कीमत में हुआ जबरदस्त इजाफा है. माधुरी दीक्षित ने यह ऑफिस करीब 18 साल पहले जिस कीमत पर खरीदा था, मौजूदा बिक्री मूल्य उससे लगभग नौ गुना अधिक है. यानी इतने लंबे समय में इस कमर्शियल प्रॉपर्टी की वैल्यू में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है.

'बंटवारा 1947'
सनी देओल ने बताया क्यों खास है

भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक अध्यायों में से एक 1947 के बंटवारे की कहानी को पर्दे पर एक अलग भावनात्मक नजरिए से पेश करने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ रही है.

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है. फिल्म में सनी देओल, शबाना आजमी और प्रीति जिंटा मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

फिल्म के टीजर और पोस्टर्स ने पहले ही दर्शकों का ध्यान अपनी

ओर खींच लिया था, लेकिन हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर ने फिल्म को लेकर उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. ट्रेलर में 1947 के उस दौर की झलक दिखाई गई है, जब भारत के विभाजन ने लाखों परिवारों की जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया था. घर छूटे, रिश्ते बिछड़े और लोगों को अपनी जमीन-जायदाद तथा पुरानी जिंदगी छोड़कर अनजान जगहों की ओर पलायन करना पड़ा. फिल्म इसी ऐतिहासिक त्रासदी को मानवीय रिश्तों और भावनाओं के नजरिए से पेश करती दिखाई दे रही है. 'बंटवारा 1947' को लेकर सनी देओल ने भी अपने विचार साझा किए हैं. उन्होंने फिल्म की कहानी को बेहद खास बताते हुए कहा कि यह सिर्फ बंटवारे की कहानी नहीं है, बल्कि असल में एक महत्वपूर्ण प्रेम कहानी है.

साइंस न्यूज़

क्या चांद पर गिरेगा स्पेसएक्स रॉकेट
बनेगा नया क्रेटर

अंतरिक्ष जगत में बुधवार को एक बेहद दुर्लभ घटना ने वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा. स्पेसएक्स के फॉल्कन-9 रॉकेट का इस्तेमाल किया जा चुका ऊपरी हिस्सा चंद्रमा की सतह से टकराने वाला था. वैज्ञानिकों के अनुसार, करीब 4 टन वजन वाला यह रॉकेट स्टेज लगभग 8,700 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चंद्रमा की ओर बढ़ रहा था. इसकी टक्कर चंद्रमा के पश्चिमी हिस्से में स्थित आइंस्टीन क्रेटर के आसपास होने की उम्मीद थी. वैज्ञानिक इस टक्कर को सिर्फ अंतरिक्ष मलबे की घटना के तौर पर नहीं देख रहे

थे, बल्कि इसे चंद्रमा की सतह और वहां होने वाली टक्कर की प्रक्रिया को समझने के एक अवसर के रूप में भी देख रहे थे.

नासा के अनुसार, वैज्ञानिक जमीन पर मौजूद दूरबीनों और अंतरिक्ष आधारित उपकरणों की मदद से इस घटना पर नजर रख रहे थे. टक्कर के बाद बनने वाले क्रेटर, उछलने वाली चंद्र धूल और बाहर निकलने वाले मलबे का अध्ययन किया जा सकता था. इससे भविष्य में चंद्रमा पर होने वाले मिशनों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी हासिल होने की उम्मीद थी. फॉल्कन-9 का यह ऊपरी हिस्सा जनवरी 2025 में एक वाणिज्यिक मिशन के दौरान इस्तेमाल किया गया था.

रॉकेट ने अपने मिशन के तहत चंद्रमा की ओर जाने वाले लैंडरों को उनकी निर्धारित दिशा में भेजा था. इसके बाद ऊपरी स्टेज के पास वापस पृथ्वी की ओर लौटने या किसी सुरक्षित दिशा में जाने के लिए पर्याप्त ईंधन नहीं बचा था. इसके चलते यह अंतरिक्ष में घूमता रहा और सूर्य की गतिविधियों तथा गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से इसकी कक्षा बदलती रही. चंद्रमा की सतह से टकराते समय रॉकेट की गति करीब 5,400 मील प्रति घंटा यानी लगभग 8,700 किमी/घंटा होगी.

20 अगस्त को भारत में लांच होगा आईक्यूओओ जेड 11

स्मार्टफोन बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही कंपनी आईक्यूओओ भारत में अपनी जेड सीरीज के नए स्मार्टफोन आईक्यूओओ जेड11 को लॉन्च करने जा रही है. कंपनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि आईक्यूओओ जेड11 को भारत में 20 अगस्त को पेश किया जाएगा. हालांकि यह फोन चीन में मार्च और चुनिंदा वैश्विक बाजारों में मई में लॉन्च हो चुका है, लेकिन भारतीय बाजार में कंपनी इसे अलग डिजाइन और कुछ अलग हार्डवेयर के साथ उतारने की तैयारी में है. भारतीय संस्करण के डिजाइन की पहली झलक सामने आई है. फोन के पिछले हिस्से पर पिक्सल जैसा क्षैतिज कैमरा पट्टी दिखाई दे रही है. इस कैमरा पट्टी में दो पिछले कैमरे और एलईडी फ्लैश को जगह दी गई है. खास बात यह है कि चीन और मलेशिया में उपलब्ध आईक्यूओओ जेड11 के डिजाइन से यह कैमरा व्यवस्था काफी अलग है.

फटा ग्वाटेमाला का फुएगो ज्वालामुखी
6 किमी उठा राख का गुबार

ग्वाटेमाला में स्थित बेहद सक्रिय फुएगो ज्वालामुखी में सोमवार को तेज विस्फोट के बाद इलाके में हलचल बढ़ गई. विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इससे निकला राख और गैस का गुबार करीब 6 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गया. ज्वालामुखी की गतिविधियों में अचानक आई तेजी को देखते हुए ग्वाटेमाला सरकार ने पूरे देश में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया. यह खतरे के स्तर पर दूसरा सबसे ऊंचा अलर्ट माना जाता है.

फुएगो ज्वालामुखी ग्वाटेमाला सिटी से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित है. यह मध्य अमेरिका के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है और इससे समय-समय पर विस्फोट, राख उत्सर्जन और लावा प्रवाह की घटनाएं सामने आती रही हैं.

डानुबे से बाहर निकले 80 साल पुराने युद्धपोत

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी ने जहां जनजीवन को प्रभावित किया है, वहीं इसका एक अनोखा असर सर्बिया की डानुबे नदी में देखने को मिला है. लंबे समय से नदी के पानी के नीचे छिपे द्वितीय विश्व युद्ध के दौर के युद्धपोत अब जलस्तर कम होने के बाद दिखाई देने लगे हैं. सर्बिया के प्राहोवो इलाके के पास डानुबे नदी का पानी काफी नीचे चला गया है, जिसके कारण नदी की तलहटी में मौजूद करीब 80 साल पुराने युद्धपोत और उनका मलबा सतह के करीब आ

गया है. इन युद्धपोतों का संबंध द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम दौर से बताया जाता है. माना जाता है कि ये जहाज नाजी जर्मनी के डेन्यूब फ्लोटिला का हिस्सा थे. युद्ध के अंतिम चरण में जब सोवियत सेना जर्मन क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़ रही थी, तब जर्मन सैनिकों ने अपने कई जहाजों को डानुबे नदी में डुबो दिया था. इसके बाद ये जहाज दशकों तक नदी की गहराई में छिपे रहे और समय के साथ उनका अधिकांश हिस्सा पानी के नीचे ही रहा. अब यूरोप में लंबे समय से जारी गर्मी और कम बारिश के कारण डानुबे का जलस्तर घटने से इन जहाजों का एक हिस्सा फिर दिखाई देने लगा है.

यंग इंडिया

अकाउंटिंग करियर के लिए कौन सा कोर्स बेहतर

कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के सामने जब लेखांकन और वित्त के क्षेत्र में करियर बनाने की बात आती है, तो सीए, सीएस और सीएमए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम सबसे प्रमुख विकल्पों में शामिल होते हैं. हालांकि तीनों का संबंध वित्त और कारोबार से है, लेकिन इनके काम और विशेषज्ञता के क्षेत्र अलग-अलग हैं. इनमें सीएमए यानी कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसमें लेखांकन के साथ कंपनी की लागत, बजट, वित्तीय प्रबंधन और कारोबारी निर्णयों पर विशेष ध्यान दिया जाता है. सीएमए का पूरा नाम कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट है. भारत में यह पाठ्यक्रम इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट मैनेजमेंट ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) द्वारा संचालित किया जाता है. इसका उद्देश्य ऐसे पेशेवर तैयार करना है, जो किसी कंपनी के खर्च और लागत का विश्लेषण कर सकें तथा प्रबंधन को बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में मदद कर सकें.

आज के प्रतिस्पर्धी कारोबारी माहौल में कंपनियों के लिए सिर्फ आय और खर्च का हिसाब रखना पर्याप्त नहीं है. कारोबार को लाभ में बनाए रखने के लिए यह समझना जरूरी है कि उत्पादन या सेवा की वास्तविक लागत कितनी है, किन क्षेत्रों में अनावश्यक खर्च हो रहा है और लागत को कम करके मुनाफे को किस तरह बढ़ाया जा सकता है.

यही वह क्षेत्र है जहां सीएमए पेशेवरों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है. सीएमए की पढ़ाई में लागत लेखांकन, वित्तीय लेखांकन, बजट, कर व्यवस्था, वित्तीय प्रबंधन और कारोबार से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी जाती है. इस कारण सीएमए करने वाले पेशेवरों के लिए विनिर्माण कंपनियों से लेकर सेवा क्षेत्र और वित्तीय संस्थानों तक रोजगार के अवसर मौजूद हो सकते हैं. सीए और सीएमए के बीच मुख्य अंतर उनकी विशेषज्ञता को लेकर है. सीए का काम लेखा परीक्षण, कराधान और वित्तीय रिपोर्टिंग जैसे क्षेत्रों में अधिक केंद्रित होता है, जबकि सीएमए का जोर लागत प्रबंधन, बजट, वित्तीय योजना और प्रबंधन को कारोबारी निर्णयों में मदद देने पर रहता है. वहीं सीएस यानी कंपनी सेक्रेटरी का मुख्य क्षेत्र कंपनी कानून, अनुपालन, कॉरपोरेट प्रशासन और कंपनी से जुड़े कानूनी कार्य होते हैं.

एमपी में 200 पटवारी पदों पर भर्ती, स्नातकों को मौका

मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए रोजगार का एक अहम अवसर सामने आया है. मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड ने राजस्व विभाग में पटवारी के 200 पदों पर विशेष भर्ती अभियान के लिए अधिसूचना जारी की है. इस भर्ती के तहत स्नातक पास दिव्यांग उम्मीदवारों को आवेदन का मौका दिया गया है. चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति राजस्व विभाग में पटवारी के पद पर की जाएगी. यह भर्ती समूह-2, उपसमूह-4 संयुक्त भर्ती परीक्षा 2026 के माध्यम से आयोजित की जाएगी. योग्य और इच्छुक अभ्यर्थी 4 अगस्त 2026 से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकेगा. सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे दिव्यांग स्नातकों के लिए यह भर्ती इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें विशेष रूप से दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए पद निर्धारित किए गए हैं. भर्ती अभियान के तहत कुल 200 पद भरे जाएंगे. इनमें श्रवण बाधित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 94 पद निर्धारित किए गए हैं. वहीं लोकोमोटर दिव्यांगता श्रेणी के लिए 45 पद रखे गए हैं. बहुविकलांगता, स्वलीनता एवं बौद्धिक दिव्यांगता श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 61 पद निर्धारित किए गए हैं.

कला, वाणिज्य और विज्ञान के बाद किस क्षेत्र में बनाएं करियर

स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती सही करियर विकल्प चुनने की होती है. बीए, बीकॉम या बीएससी जैसी डिग्री हासिल करने के बाद कई छात्र इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि आगे उच्च शिक्षा जारी रखें, सरकारी नौकरी की तैयारी करें या निजी क्षेत्र में रोजगार तलाशें. हालांकि आज के समय में तीनों ही धाराओं के छात्रों के लिए करियर के कई विकल्प मौजूद हैं. जरूरत सिर्फ अपनी रुचि, योग्यता और कौशल के अनुसार सही दिशा चुनने की है.

बीए यानी कला वर्ग से स्नातक करने वाले छात्रों के लिए प्रशासनिक सेवाओं से लेकर शिक्षा, मीडिया, बैंकिंग और निजी कंपनियों तक कई अवसर उपलब्ध हैं. संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा और राज्य लोक सेवा आयोगों की प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से सरकारी क्षेत्र में अधिकारी बनने का रास्ता खुलता है. इसके अलावा बीए के बाद कानून, प्रबंधन, पत्रकारिता और शिक्षण के क्षेत्र में भी आगे बढ़ा जा सकता है. शिक्षक बनने के इच्छुक विद्यार्थी बीएड जैसे पाठ्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं. बीकॉम

यानी वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए लेखांकन, वित्त, बैंकिंग और कराधान प्रमुख करियर क्षेत्र हैं. स्नातक के बाद चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कंपनी सेक्रेटरी और लागत एवं प्रबंधन लेखांकन जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं. बैंकिंग क्षेत्र में अधिकारी बनने के लिए विभिन्न बैंकिंग परीक्षाएं भी दी जा सकती हैं. इसके अलावा वित्तीय प्रबंधन, आंकड़ा विश्लेषण और डिजिटल विपणन जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं. वहीं बीएससी यानी विज्ञान वर्ग से स्नातक करने वाले विद्यार्थियों के लिए शोध और तकनीकी क्षेत्रों में अच्छी संभावनाएं हैं. बीएससी के बाद एमएससी करके शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है.